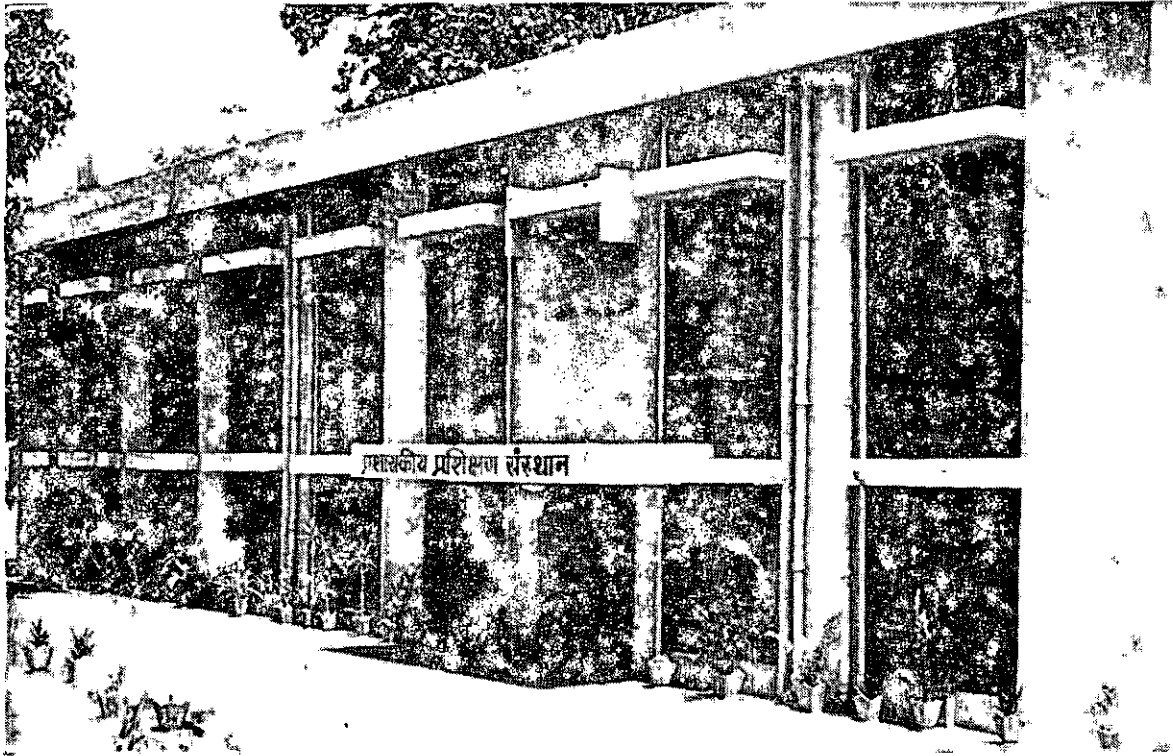


# प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्थान बिहार, राँची



*Library*  
-5412  
370.6  
BIH-V  
117

वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष 1985-86

दूरभाष : 22369-21324

## प्रस्तावना

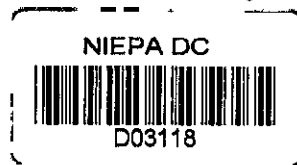
1985—86 की अवधि के लिए प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्थान, बिहार, राँची के वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन का विमोचन करते हुए मुझे आपार हर्ष हो रहा है।

इस प्रतिवेदन द्वारा हमने प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्थान, बिहार, राँची के विभिन्न कार्य-कलापों पर आलोच्य वर्ष की अवधि के लिए प्रकाश डालने का प्रयास किया है, ताकि पाठकों को संस्थान के बारे में अधिक जानकारी मिल सके।

राँची  
19-4-1986

(एस० आर० अहिने)

आयुक्त एवं निदेशक  
प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्थान  
बिहार, राँची



— 5412  
370.6  
BIH-V

**Sub. National Systems Unit,  
National Institute of Educational  
Planning and Administration  
17-B, Safdar Road Marg, New Delhi-110016**  
DOC. No. 3118  
Date 20/6/86

# प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्थान, बिहार, रांची ।

## अध्याय—१

वार्षिक प्रशासनिक समीक्षा वर्ष 1985—86

प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्थान, बिहार, रांची का यह प्रशासनिक प्रतिवेदन अप्रिल 1985 से मार्च 1986 तक की अवधि के लिए है ।

### 1. संस्थान का संक्षिप्त इतिहास :

स्वतंत्रता के पूर्व बिहार राज्य में असैनिक सेवा के पदाधिकारियों के लिए किसी प्रकार की सांस्थिक प्रशिक्षण का कोई प्रबन्ध नहीं था। उस समय नव नियुक्त पदाधिकारियों की संख्या कम ही रहती थी, नियुक्ति के पश्चात उन्हें जिलों में पदस्थापित कर दिया जाता था, जहाँ वे विभिन्न विभागों में कार्य कर प्रशिक्षण एवं अनुभव प्राप्त करते थे। जिलों में उन्हें अनुभवी प्रभारी पदाधिकारियों से कुछ प्रशिक्षण मिल जाता था, परन्तु प्रशिक्षण की समुचित व्यवस्था नहीं थी।

स्वतंत्रता के पश्चात सरकारी कार्य का क्षेत्र बहुत एवं बहुमुखी हो गया। पंचवर्षीय योजनाओं के कारण सरकारी गतिविधियों में एकाएक बहुत विस्तार हो गया, तथा असैनिक सेवा के पदाधिकारियों के कार्यक्षेत्र में अत्यधिक वृद्धि हो गयी। अब सेवा में आने वाले पदाधिकारियों की संख्या में भी पहले से बहुत वृद्धि हो गयी।

चूँकि असैनिक सेवा के पदाधिकारियों की नियुक्ति अब अधिक संख्या में होने लगी तथा इनके कार्य क्षेत्र में काफी विस्तार हुआ, जो चुनौतियों से भरा हुआ था, तथा असैनिक सेवा के पदाधिकारियों को उन्हें सफलता पूर्वक निभाना था, इसलिए ऐसा अनुभव किया गया कि इनके लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर अक्टूबर 1952 में राँची में केन्द्रीय प्रशिक्षण स्कूल स्थापित किया गया। उस समय यह स्कूल छोटानागपुर प्रमण्डल के आयुक्त के समुचित देख-रेख में काम करता था तथा इस स्कूल में बिहार असैनिक सेवा (कार्यपालक शाखा) के पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाता था। समय के साथ-साथ इस स्कूल का महत्व बढ़ता गया, तथा इस संस्थान के नाम में भी परिवर्तन आ गया। केन्द्रीय प्रशिक्षण स्कूल से बदलकर इसका नाम प्रशासकीय प्रशिक्षण स्कूल पड़ा, तथा समीचीन वृहत कार्य बढ़ने पर इस संस्थान का प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्थान, नाम करण सन् 1974 में हुआ। इस संस्थान के प्रधान भारतीय प्रशासन सेवा के सुपरटाइम वेतनमान के पदाधिकारी हुआ करते हैं, जो निदेशक, प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्थान के नाम से जाने जाते हैं। पदधारक की वरीयता के अनुरूप सम्प्रति आयुक्त सह निदेशक का पद सृजित है।

आरम्भ में इस स्कूल में प्रशिक्षण प्रयोगात्मक रहा। प्रशिक्षणार्थियों की संख्या अनिश्चित हुआ करती थी, प्रशिक्षण का समुचित पाठ्यक्रम तय नहीं हो पाया था, छात्रावास की व्यवस्था नहीं थी। यहाँ तक कि संस्थान को अपना भवन भी नहीं था, तथा राजभवन के हाते में ही “मॉडर्न हाउस” में इस संस्था को चलाया जाता था।

1958 में संस्थान के संचालन तथा इभरी समस्याओं के संबन्ध में समीक्षा की गयी तथा सुधार की ओर आवश्यक कदम उठाए गये। नया पाठ्यक्रम तैयार किया गया, संस्थान का अब अपना कार्यालय भवन है प्रशिक्षणार्थियों के लिए छात्रावास है, पुराने छात्रावास में 66 प्रशिक्षणार्थियों के लिए रहने तथा खाने की व्यवस्था है, अभी हाल ही में एक नया छात्रावास बन कर तैयार हुआ है, जिसमें आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं, इसे सुसज्जित किया जा रहा है। एक और दूसरा छात्रावास बनाया जा रहा है। इसके पूर्ण हो जाने पर 106 प्रशिक्षणार्थियों के लिए व्यवस्था हो जायेगी।

## 2. संस्थान का विवरण :

यह संस्थान 1975 से अपने भवन में अवस्थित है जो राँची राजभवन के ठीक उत्तर में है। संस्थान का पूर्ण क्षेत्रफल 10 एकड़ है। संस्थान के मुख्य भवन में 150 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता का प्रेक्षागृह (Auditorium) है। संस्थान का पुस्तकालय इस क्षेत्र का एक उत्तम पुस्तकालय माना जाता है, जिसमें करीब 21,000 पुस्तकें हैं। पुस्तकालय के अतिरिक्त वाचनालय, व्याख्यान कक्ष भी है।

संस्थान में दो 16 मिलीमीटर के प्रोजेक्टर एवं अन्य श्रवण-चक्षु प्रशिक्षण यन्त्रों हैं, जिससे समय-समय पर प्रशिक्षण में उपयोग किया जाता है।

संस्थान के छात्रावास को सुरक्षित और उपादेय हेतु छात्रावास के हाँते को एक ऊँची दीवार से घेरा जा रहा है। संस्थान में बैडमिन्टन, वॉलीबाल, क्रिकेट, टेनिस, टेबुल टेनिस तथा अन्य अन्तर गृह खेलों की व्यवस्था है।

संस्थान के बहुमुखी विकास के लिए एक वृहत योजना तैयार की गयी है जिसके लिए अष्टम वित्तीय आयोग से 184 लाख रुपये की धन राशि प्राप्त है। 7वीं पंचवर्षीय योजना (1985-90) में भी संरचना के विकास तथा अधिकार्य विकास के लिये एक वृहत प्रस्ताव-संस्कार द्वारा 50 लाख रुपये के लागत खर्च पर स्वीकृत हो चुकी है।

## 3. शासी निकाय :

यह संस्थान बिहार सरकार के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में है। 16 सदस्यों की शासी निकाय के अध्यक्ष मुख्य सचिव, बिहार हैं। उनके अतिरिक्त निम्न लिखित पदाधिकारी निकाय के सदस्य हैं।

1. विकास आयुक्त
2. सदस्य राजस्व पर्वद
3. उपाध्यक्ष योजना पर्वद
4. क्षेत्रीय विकास आयुक्त
5. अध्यक्ष सह प्रबन्धक निदेशक, बिहार राज्य औद्योगिक विकास निगम
6. वित्त आयुक्त

7. आयुक्त, दक्षिणी छोटानागपुर, राँची
8. कुलपति, राँची विश्वविद्यालय, राँची
9. सचिव, कामिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग
10. 20 सूत्री विकास आयुक्त
11. सचिव, ग्रामीण विकास विभाग
12. भारत सरकार के कामिक विभाग (प्रशिक्षण अनुभाग) द्वारा मनोनीत पदाधिकारी
13. अध्यक्ष, लोक उर्ध्व न्यूरी, बिहार
14. निदेशक, बिहार ग्रामीण विकास संस्थान, राँची
15. निदेशक, प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्थान; राँची

निदेशक, प्रशासकीय संस्थान, निकाय के सचिव हैं।

आलोच्य वर्ष में निकाय की दो बैठकें 28-9-85 तथा 29-3-86 की हुईं।

#### 4. संकाय तथा कार्यालय :

इस संस्थान के प्रधान, निदेशक, भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरियतम पदाधिकारी हुआ करते हैं। इसके अतिरिक्त 6 सदस्यों की संकाय है जिसमें तीन उप निदेशक वरिय, अपर जिला दंडाधिकारी के स्तर के पदाधिकारी हैं, तथा बाकी तीन उप निदेशक के पद पर असैनिक सेवा के (कनीय प्रवर कोटि) विधि सेवा, तथा महालेखाकार, के यहाँ से प्रतिनियुक्त पदाधिकारी कार्यरत रहते हैं। इसके अतिरिक्त निदेशक के सचिव, तथा प्रशासी पदाधिकारी के दो राजपत्रित पद स्वीकृत हैं। निदेशक के सचिव के पद पर बिहार असैनिक सेवा (कनीय प्रवर कोटि) के पदाधिकारी तथा प्रशासी पदाधिकारी के पद पर कामिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुसचिवीय संवर्ग के पदाधिकारी जो निबन्धक स्तर के होते हैं, पदस्थापित हैं।

इसके अतिरिक्त कार्यालय में तृतीय श्रेणी के 8 पद तथा चतुर्थ श्रेणी के 13 पद हैं।

छात्रावास के लिए मेस मैनेजर का एक पद (तृतीय श्रेणी में) तथा चतुर्थ वर्ग के 25 पद हैं। इसके अतिरिक्त संस्थान में चालक के दो पद स्वीकृत हैं।

पुस्तकालय के लिए तृतीय श्रेणी में पुस्तपाल, सहायक पुस्तपाल तथा चलचित्र चालक के पद स्वीकृत हैं। इसके अतिरिक्त पुस्तकालय हेल्परे का एक चतुर्थवर्गीय पद भी स्वीकृत है।

आलोच्य वर्ष में आयुक्त एवं निदेशक के पद पर श्री एस०आर० अडिगे, भा०प्र०से० पदस्थापित रहे हैं।

सर्वे श्री आरि०आरि० प्रसाद; उप निदेशक वरिय, ए०के० घोष, उप निदेशक, लेखा तथा टी० श्रीवास्तव निदेशक के सचिव, आलोच्य वर्ष के सम्पूर्ण अवधि में कार्यरत रहे हैं। सर्वे श्री

आर० यू० पी० सिन्हा, तथा वी०के०डेहगवें, उप निदेशक वरीय पद पर क्रमशः दिनांक 13-3-85 तथा 24-6-85 को अपना योगदान दिया तथा तब से कार्यरत है। उप निदेशक विधि तथा हिन्दी के पद पर कार्यरत सर्व श्री भूखल प्रसाद तथा आर० के० सिंह स्थानान्तरण के फलस्वरूप संस्थान से चले गये। उप निदेशक हिन्दी के पद पर श्री प्रभु नारायण विद्यार्थी ने अपना योगदान 21-3-86 को दिया है—तथा उप निदेशक (विधि) का पद अभी भी रिक्त है। परन्तु श्री दामोदर प्रसाद, मुख्य न्यायिक द० अधिकारी दरभंगा का उपनिदेशक विधि के पद पर पदस्थापन की अधिसूचना हो चुकी है। संस्थान में कार्यरत प्रशासी पदाधिकारी श्री आर०के०पी० सिन्हा, प्रोन्नति पाने के फलस्वरूप अपने पैतृक विभाग कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग में लौट गये। उनके स्थान पर कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के संवर्ग से प्रोन्नति पाकर श्री शुक्रदेव माली, अभी प्रशासी पदाधिकारी के पद पर कार्यरत है। श्री माली अपना योगदान संस्थान में दिनांक 19-8-85 को दिए हैं।

आलोच्य वर्ष में तृतीय वर्ग के सभी पद भरे रहे, इसमें कोई रिक्ति नहीं रही। गत वर्ष में चतुर्थ वर्ग के जो 4 पद रिक्त थे, उनके विरुद्ध तीन पद भरे गये, सिर्फ एक चतुर्थ वर्गीय पद अभी जो रसोइया का है, रिक्त है, जिसे भरने के लिए आवश्यक कार्रवाई चल रही है।

आलोच्य वर्ष में कोई भी नया पद सृजित नहीं किया गया है। कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों का विवरण क्रमशः परिशिष्ट 1 तथा 2 पर है।

## 5. संस्थान पुस्तकालय :

आलोच्य वर्ष 1985-86 में संस्थान पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर रु० 31091 का व्यय 516 पुस्तकों की अभिवृद्धि हुई। इसी प्रकार 31.3.85 तक पुस्तकालय में कुल 20117 पुस्तकें उपलब्ध थीं। गत वर्ष इस संस्थान, पुस्तकालय में ग्रंथ संख्या 19601 थी, और अब 20117 हो गई है जिसमें 26 मुफ्त पुस्तकें भी सम्मिलित हैं। संस्थान की बढ़ती हुई गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए वाचनालय तथा पुस्तकालय को सुदृढ़ किया जा रहा है। संस्थान में प्रदेश के सभी विभागों के अधिकारियों के लिए किसी न किसी रूप में प्रशिक्षण आयोजित करने का प्रस्ताव है। अतः संस्थान पुस्तकालय में राज्य के प्रत्येक विभाग से प्रलेखकों का संकलन किया जाना भी नितान्त आवश्यक है।

संस्थान पुस्तकालय में आलोच्य वर्ष में 98 पत्र/पत्रिकाएं लीं गयीं। इसके अतिरिक्त कुछ विभागों तथा प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा भी अपने प्रकाशन इस संस्थान को निःशुल्क भेजे जाते हैं।

संस्थान में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रशिक्षणार्थियों द्वारा पुस्तकालय का समुचित उपयोग किया जा रहा है। इन पाठ्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रशिक्षणार्थियों को पांच पुस्तकें निर्गत कराने की छूट है। इसके अतिरिक्त समय-समय पर सिनोप्सिस तथा पृष्ठभूमि सामग्री भी वितरित की जाती है।

## 6. वर्ष का व्यय बजट :

इस वर्ष राज्य सरकार द्वारा विभिन्न मदों हेतु 10,22,000 रु० स्वीकृत किया गया जिसमें वास्तविक व्यय 11,24,834 रु० हुआ। (व्यय में वृद्धि का मुख्य कारण समय-समय पर जीवन् यापन भत्ता में की गई वृद्धि है) उपरोक्त धनराशि में से कुछ राशि दृष्टिकोण परिवर्तन एवं कार्यप्रणाली

विषयक प्रशिक्षण हेतु विभिन्न जनपदों में व्यय हुआ। बजट का पूर्ण विवरण परिशिष्ट 3 पर दर्शाया गया है, तथा विशेष प्रशिक्षण हेतु भारत सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता की राशि परिशिष्ट 4 में है।

## 7. ग्राम अध्ययन :

इस वर्ष संस्थान द्वारा जो बिहार प्रशासनिक सेवा के आधारभूत सत्र आयोजित किए गए उनमें प्रदेश के रांची जिला में ग्राम अध्ययन के लिए प्रशिक्षणार्थियों को भेजा गया। ग्रामों में प्रशिक्षणार्थियों के लिए पंचायत घर, पाठशालाओं में रहने की व्यवस्था होती है और उन्हें ग्रामवासियों से व्यक्तिगत सम्पर्क करना और उनकी समस्याओं का अध्ययन करना होता है। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रस्तुत अध्ययन रिपोर्ट पर संस्थान में गहन विचारविमर्श हुआ।

## 8. भोजन व्यवस्था :

संस्थान का अपना मेस है। इसमें कार्य करने वाले सभी कर्मचारी पूर्णशालिण सरकारी कर्मचारी है। मेस का संचालन प्रशिक्षणार्थियों की अपनी मेस कमेटी द्वारा की जाती है। मेस की देख-रेख संस्थान के उप-निदेशक ( बरीय ) द्वारा की जाती है।

## 9. चिकित्सा व्यवस्था :

मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, रांची सप्ताह में एक बार संस्थान में आकर प्रशिक्षणार्थियों की चैकअप जांच करते हैं। इस कार्य के लिए उन्हें संस्थान द्वारा 50/ प्रति माह मानदेय दिया जाता है।

## 10. विशिष्ट अतिथि व्याख्याता :

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान द्वारा आयोजित नियमित विशेष सत्रों में विभिन्न विषयों में उपलब्ध प्रख्यात विद्वान विशिष्ट अतिथि व्याख्याताओं को आमंत्रित किया गया। इन व्याख्याताओं के प्रशासकीय अनुभव तथा शैक्षणिक प्रवीणता से प्रशिक्षणार्थियों का समुचित ज्ञानवर्धन हुआ। संस्थान इन विशिष्ट व्यक्तियों का आभारी है।

## 11. प्रकाशन तथा प्रबन्ध :

आलोच्य वर्ष में संस्थान के वार्षिक पत्रिका प्रशासन एवं प्रबन्ध का एक संकलन निकला। उसमें कई सारगर्भित एवं महत्वपूर्ण लेख थे।

## 12. संस्थान द्वारा संचालित विभागीय परीक्षाओं का विवरण वर्ष 1985-86.

(क) राज्य के 14 सेवाओं के राजपत्रित पदाधिकारियों का विभागीय परीक्षा जो केन्द्रीय परीक्षा समिति राजस्व पर्वट, बिहार द्वारा जून तथा दिसम्बर में ली जाती है संस्थान के निदेशक के अधीक्षण में परीक्षा का सम्पादन किया गया।

(ख) संघ लोक सेवा आयोग द्वारा रांची केन्द्र के लिए आयोजित असेनिक सेवा ( प्रारम्भिक ) परीक्षा प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक की देख-रेख में जून 1985 में सम्पादित की गयी।



## अध्याय—२

### वर्ष 1985—86 की अवधि में संचालित कार्यक्रमों की सूची तथा व्योरा सूची

क्रमांक	सत्र का नाम	अवधि	पदाधिकारियों की संख्या	समन्वयक
1	राँची के संस्थानों का कानफ्रेंस	1 दिन (2-4-85)	18	श्री आर०आर० प्रसाद
2	भारतीय वन सेवा एवं बिहार वन सेवा के परीक्षार्थी पदाधिकारियों का स्टेट एप्रिशिएसन सत्र	2 सप्ताह (6-18 मई, 1985)	14	श्री भूखल प्रसाद
3	वित्तीय प्रबन्धन	2 सप्ताह (8-20 जुलाई, 85)	24	श्री आर०आर० प्रसाद
4	पाईप-पावर	3 सप्ताह (15-4-85 से 3-5-85)	19	श्री आर०आर० प्रसाद
5	बिहार प्रशासनिक सेवा 31वीं बैच (आधारभूत)	16 सप्ताह (26-12-85 से 11-4-86)	56	श्री टी० श्रीवास्तव
6	जर्मनी में यज्ञचित्त मर्मूना संवर्धन पर क्षेत्रीय कार्यशाला	2 दिन (30-31, जुलाई, 85)	25	श्री टी० श्रीवास्तव
7	प्रोजेक्ट प्रबन्धन	2 सप्ताह (6-18 मई, 85)	18	श्री आर०आर० प्रसाद
8	म०प्र०से० के परीक्ष्यमाण पदाधिकारियों का स्टेट एप्रिशिएसन कोर्स	6 सप्ताह 3-6-85 से 13-7-85	11	श्री आर०यू०पी० सिन्हा
9	वातावरण पर गोष्ठि	1 दिन (20-8-85)	12	श्री आर०आर० प्रसाद
10	औद्योगिक उद्यमिता पर कार्यशाला	1 सप्ताह (23-29 सितम्बर, 85)	23	श्री आर०यू०पी० सिन्हा

क्रमांक	सत्र का नाम	अवधि	पदाधिकारियों की संख्या	समन्वयक
11	भारतीय आरक्षी सेवा/ बिहार आरक्षी सेवा के परीक्ष्यमाण पदाधिकारियों का स्टेट प्रिप्रिपसनासत्र	2 सप्ताह (7-19 अक्टूबर, 85)	18	श्री वी०के० डेढ़गवें
12	विकास प्रशासन	2 सप्ताह (3-17 अक्टूबर, 85)	20	श्री टी० श्रीवास्तव
13	भा.प्र.से. के पदाधिकारियों का इनसर्विस प्रशिक्षण	1 सप्ताह (5-9 नवम्बर, 85)	29	श्री अर०यू०पी० सिन्हा
14	ग्रामीण जलापूर्ति पर गोष्ठी	3 दिन (20-22 नवम्बर, 85)	29	श्री अर०यू०पी० सिन्हा
15	ग्रामीण क्षेत्रों में महिला एवं बच्चे के विकास पर क्षेत्रीय कर्मशमला	2 दिन (29-30 नवम्बर, 85)	8	श्री अर०के० सिंह
16	भा.प्र.से. के पदाधिकारियों का इनसर्विस प्रशिक्षण	एक सप्ताह (2-7 दिसम्बर, 85)	22	श्री अर०यू०पी० सिन्हा
17	फाईनेन्स फोर नन-फाईनेन्स	एक सप्ताह (16-21 दिसम्बर, 85)	22	श्री ए०के० घोष
18	जन वितरण अणाली सत्र	2 सप्ताह (23-12-85 से 1-1-86)	29	श्री वी०के० डेढ़गवें
19	भा.प्र.से. के पदाधिकारियों का इनसर्विस प्रशिक्षण	1 सप्ताह (6-10 जनवरी, 86)	24	श्री अर०यू०पी० सिन्हा
20	भा.प्र.से. के पदाधिकारियों का इनसर्विस प्रशिक्षण	4 सप्ताह (13-1-86 से 7-2-86)	19	श्री वी०के० डेढ़गवें
21	लैम्पस पर कार्यशाला	3 दिन (12-14 फरवरी, 86)	43	श्री अर०अर० प्रसाद
22	सरकार में प्रबन्धन	2 सप्ताह (26-2-86 से 11-3-86)	22	श्री अर०अर० प्रसाद
23	सेमिनार औन फौरेस्ट्री	1 दिन (23-3-86)	15	श्री अर०अर० प्रसाद
24	विधि आयोग के अर्न्तगत कानूनी सहायता पर गोष्ठी	2 दिन (22-23 मार्च, 86)	15	श्री अर०यू०पी० सिन्हा

परिशिष्ट—1

वर्ष :1985 -86 में कार्यरत अधिकारियों का विवरण

क्रमांक	अधिकारियों का नाम	पद	अवधि
1	२	३	४
1	श्री एस० आर० आडिगे	निदेशक	सम्पूर्ण वर्ष
2	श्री आर० आर० प्रसाद	उप निदेशक वरीय	सम्पूर्ण वर्ष
3	श्री आर० यू० पी० सिन्हा	उप निदेशक वरीय	75-5-85 से
4	श्री भी० के० डेढगवे	उप निदेशक वरीय	24-6-85 से
5	श्री ए० के० घोष	उप निदेशक लेखा	सम्पूर्ण वर्ष
6	श्री वी० प्रसाद	उप निदेशक विधि	2-8-84 से 28-8-86 तक
7	श्री आर० के० सिंह	उप निदेशक ( हिन्दी )	12-7-85 से 6-3-86 तक
8	श्री टी० श्रीवास्तव	निदेशक के सचिव	सम्पूर्ण वर्ष
2	श्री एस० माली	प्रशासी पदाधिकारी	19-8-85 से
10	श्री प्रभु नारायण विद्यार्थी	उप निदेशक ( हिन्दी )	21-3-86 से

परिशिष्ट—2

वर्ष 1985—86 में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों का विवरण

क्रम संख्या	वर्ग	स्वीकृत पद	नियुक्त पदाधिकारी कर्मचारी	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	पिछड़ा वर्ग	भूतपूर्व सैनिक	समाज के अपंग व्यक्ति	अन्याय
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	प्रथम श्रेणी	8	6	—	—	—	—	—	—
2	द्वितीय श्रेणी	1	1	—	—	1	—	—	—
3	तृतीय श्रेणी	14	14	1	5	2	—	—	6
4	चतुर्थ वर्ग	39	38	3	17	18	—	—	—

परिशिष्ट—3

वित्तीय वर्ष 1985—86 का व्यय विवरण

	स्वीकृत आवंटन 1985—86	वास्तविक आवंटन 1985—86
1 पदाधिकारियों का वेतन	2,61,000	1,89,557
2 कर्मचारियों का वेतन	3,70,000	4,11,511
3 पदाधिकारियों का जीवनयापन भत्ता	60,000	96,632
4 कर्मचारियों का जीवनयापन भत्ता	1,00,000	2,01,090
5 यात्रा व्यय	42,000	41,715
6 कार्यालय व्यय	1,25,000	1,25,000
7 व्यवसायिक एवं विशेष सेवा के लिये अदागियाँ	17,000	14,954
8 सामग्री एवं आपूर्ति	47,000	44,375
कुल योग	10,22,000.00	11,24,834.00

परिशिष्ट 4

विशेष प्रशिक्षण हेतु भारत सरकार से वर्ष 1985-86 में प्राप्त वित्तीय सहायता

क्रमांक	सत्र का नाम	स्वीकृत धन राशि
1	2	3
1	कमान्ड एरिया प्रोग्राम का प्रबन्धन	18,000-00
2	जनजाति विकास परियोजना पर समेकित कर्मशाला	18,000-00
3	परियोजना प्रबन्धन	18,000-00
4	बिहार के ग्रामीण क्षेत्र में जल आपूर्ति परियोजना तथा उसके कार्यान्वयन तथा देखभाल पर 3 दिन का सेमिनार	12,850-00
5	जन वितरण प्रणाली के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं के आपूर्ति पर प्रबन्धन	30,000-00
6	भारतीय प्रशासन सेवा के पदाधिकारियों का आठ सप्ताह का प्रशिक्षण	95,000-00
7	भारतीय प्रशासन सेवा के पदाधिकारियों का एक सप्ताह का प्रशिक्षण	17,000-00
8	भारतीय प्रशासन सेवा के पदाधिकारियों का एक सप्ताह का प्रशिक्षण	17,000-00
9	भारतीय प्रशासन सेवा के पदाधिकारियों का एक सप्ताह का प्रशिक्षण	17,000-00
10	फाइनेन्स फार नन फाइनेन्स	10,000-00
11	सरकार में प्रबन्धन	15,000-00

NIEPA DC



D03118

Systems Unit,

National Institute of Educational Planning and Administration

17-B, Safdarjung Road, New Delhi-110016

DOC. No. 3118

Date 30/6/86